हिन्दी दिवस के अंतर्गत हुए कार्यक्रम की रिपोर्ट

(दिल्ली कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स, वर्ष 2024-25)

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के हिंदी विभाग की आधिकारिक हिंदी साहित्य सभा " सर्जना" ने हिंदी दिवस के अवसर पर 7-14 सितंबर 2024 के मध्य "हिंदी सप्ताह" का आयोजन किया।

" हिंदी सप्ताह" के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य छात्रों की साहित्यिक रुचियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से बढ़ावा देना था ताकि छात्र हिंदी भाषा एवं साहित्य से अच्छी तरीके से परिचित हो सकें। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजीव चोपड़ा की स्वीकृति से इस कार्यक्रम की रूपरेखा साकार हो सकी। हिंदी विभाग के प्रभारी प्रो. संजीब कुमार एवं संयोजिका : डॉ. रश्मि रावत और डॉ. पूनम रानी के निर्देशन में साहित्य सभा के सदस्यों ने इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत "सर्जना" ने "तीन अंतर महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं" का आयोजन करवाया।

"हिन्दी सप्ताह" के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है -

दिनांक 9 सितंबर, 2024 दिन-सोमवार को अंतर महाविद्यालय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका विषय " साहित्य के बिना समाज कैसा " था। इस प्रतियोगिता में नॉर्थ कैंपस ,साउथ कैंपस के अधिकतम छात्र शामिल हुए और अपने-अपने विचार

निबंधों के माध्यम से प्रकट किए। प्रतियोगिता की निर्णायक डॉ. रश्मि रावत रही तथा प्रतियोगिता का समापन संयोजिका डॉ. पूनम रानी के उद्बोधन के साथ हुआ।दिनांक 11 सितंबर, 2024 दिन- बुधवार को "दो अन्य मुख्य अंतर महाविद्यालय साहित्यिक प्रश्नोत्तरी एवं काव्य अभिव्यक्ति" प्रतियोगिता का विशाल आयोजन हुआ।

इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा हिंदी जगत के वरिष्ठ कवि "मदन कश्यप" जी को आमंत्रित किया गया जिनका सानिध्य कार्यक्रम के अंत तक सभा को मिला।

11 सितंबर के इन कार्यक्रमों की शुरुआत "अंतर महाविद्यालय साहित्यिक प्रश्नोत्तरी" से हुई जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों की 10 टीमों ने हिस्सा लिया।

इसके पश्चात "संवाद: मीडिया स्टूडियों डीसीएसी" के सहयोग से मुख्य अतिथि "मदन कश्यप" जी का साक्षात्कार हुआ जिसमें छात्र दीपक ने उनके निजी और साहित्यिक जीवन के संबंध में चर्चाएं की। उनका महाविद्यालय के छात्रों को संदेश था "संघर्ष करो और जहां चाहो वहां पहुंच जाओ"। डॉ. रश्मि रावत एवं डॉ. पूनम रानी साक्षात्कार में साथ रही।

साक्षात्कार के पश्चात “मदन कश्यप” जी ने मुख्य कार्यक्रम “अंतर महाविद्यालय काव्य प्रतियोगिता” में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई । इस अवसर पर महाविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. द्विवेदी आनंद प्रकाश, प्रो.सुजीत कुमार , विभाग प्रभारी प्रो. संजीब कुमार, डॉ. अमिता, डॉ.नीतिका, आशीष पांडे, सर्जना की संयोजिका : डॉ .पूनम रानी तथा डॉ. रश्मि रावत उपस्थित रहे।

“दीप प्रज्वलन” के पश्चात कार्यक्रम के स्वागत कथन की औपचारिकता डॉ. पूनम रानी के द्वारा की गई। मुख्य अतिथि का विभाग प्रभारी प्रो. संजीव कुमार एवं महाविद्यालय की इतिहास विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रो.अमृत कौर बसरा द्वारा स्वागत किया गया।

प्रो.अमृत कौर बसरा, प्रो. संजीब कुमार ने महाविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों से आए छात्रों को संबोधित किया। उसके पश्चात मुख्य अतिथि “ कवि मदन कश्यप ”जी ने अपना उद्बोधन दिया जिससे छात्रों ने उनके साहित्यिक जीवन से प्रेरणा ग्रहण की एवं आगे बढ़ने का प्रण लिया।

अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता हेतु निर्णायक मंडल में प्रो. द्विवेदी आनंद प्रकाश एवं प्रो. सुजीत कुमार रहे जिन्होंने छात्रों की काव्य अभिव्यक्ति को सराहा तथा यह भी बताया कि वे कैसे लेखन कार्य कर सकते हैं।

एक सांस्कृतिक प्रस्तुति महाविद्यालय की छात्रा अर्पिता ने प्रस्तुत की , प्रस्तुति बेहद कलात्मक रही। तत्पश्चात प्रतियोगिता की शुरुआत आईपीसीडब्ल्यू कॉलेज की छात्रा ‘गोल्डी कुमारी’ ने “दिनकर” जी की कविता का पाठ करके किया । काव्य अभिव्यक्ति प्रतियोगिता के अंतर्गत आए 56 प्रतिभागियों ने 20 कवियों की विभिन्न सर्वोत्कृष्ट कविताओं को चुना था छात्रों ने कविता का वाचन, अभिव्यक्ति और अभिनय के साथ किया। काव्य अभिव्यक्ति प्रतियोगिता में छात्रों ने अभिनय एवं वाचन से सभागार में समां बांध दिया । रामधारी सिंह दिनकर

,जयशंकर प्रसाद ,हरिवंश राय बच्चन, रघुवीर सहाय, फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ आदि की कविताओं का वाचन छात्रों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में ऋद्धि गिरी ने रघुवीर सहाय की कविता पढ़कर प्रतियोगिता का सुखद समापन किया।

कार्यक्रम का समापन विजेताओं के पुरस्कार वितरण एवं संयोजक डॉ.रश्मि रावत के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

सर्जना की टीम एवं सभी विजेताओं ने मंच साझा करते हुए एक साझा फोटो क्लिक करवाई।